प्रार्थना

Dr. Ram Kishore
Assistant Professor
School of Health Sciences
CSJM University, Kanpur

ोम भूर्भुव: स्व: तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि योन: प्रचोदयात्

उस प्राण स्वरूप दु:ख नाशक सुख स्वरूप श्रेष्ठ तेजस्वी पाप नाशक देव स्वरूप परमात्मा को हम अपनी अंतरात्मा में धारण करें। वह परमात्मा हमारी बुद्धि को सन्मार्ग की ओर प्रेरित करें

ऊँ सह नाववतु। सह नौ भुनक्तु। सह वीर्यं करवावहै। तेजस्विनावधीतमस्तु मा विद्विषावहै।।

(अमृतनादोपनिषद् प्रारम्भ)

हे परमात्मन्! आप हम दोनों (गुरु–शिष्य) की साथ–साथ रक्षा करें। हम दोनों का साथ–साथ पालन करें। हम दोनों साथ–साथ शक्ति अर्जित करें। हम दोनों की पढ़ी हुई विद्या तेजस्वी हो। हम दोनों एक–दूसरे के प्रति कभी ईर्षा द्वेष न करें। हे शक्ति सम्पन्न हमारे त्रिविध तापों का शमन हो, अक्षय शान्ति की प्राप्ति हो।

धन्यवाद

Thanks